

# 山居秋暝

1 = E  $\frac{4}{4}$   
♩ = 100

演唱：银临

王维&慕清明 作词  
田昊 作曲  
春雾秋云 记谱

( 3 2 2 1 6̣5̣3̣ | 0 3 3 2 2 1 6̣5̣3̣ | 3 2 2 1 6̣5̣3̣ | 0 3 3 2 ) 0 1 6̣ |  
推 门

1̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 2 1 | 2̣. 5̣ 5̣ 5̣ 0 3 2 | 2̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 1 2 1 | 3 - 0 3 2 |  
望 天 边， 一 碗 夕 阳 稠。 落 霞 笑 炊 烟， 妆 色 灰 旧。 烂 石

2̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 2 1 | 5̣. 3̣ 3 2 1 1 1. 16. | 1̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 1 2 1 | 2 - 0 1 6̣ |  
拥 苍 苔， 枯 木 饒 春 柳。 青 山 最 长 寿， 睡 饱 千 秋。 晚 风

||: 1̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 2 1 | 2̣. 3̣ 3 5 0 3 2 | 2̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 1 5 5 | 5 3. 0 3 2 |  
闹 归 帆， 樵 客 背 星 斗。 人 间 正 安 稳， 忽 生 烦 忧。 转 身

( 2̣. 5̣ 5 5 )  
翻 筋 斗， 白 云 小 花 狗。 光 阴 潺 潺 去， 不 必 强 留。 近 看

2̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 2 1 | 5̣. 3̣ 3 2 1 1 1. 16. | 1̣. 1̣ 1̣ 1̣ 0 2 1 | 3. 2 2 2 2 0 |  
奔 入 夜， 月 光 似 好 酒。 谁 有 不 平 事， 敞 开 喝 一 口。  
凡 尘 苦， 远 望 俱 风 流。 余 生 归 何 处， 尽 兴 卧 云 丘。

0 0 0 2 3 | 5 3 1 2 2 3 | 5 6 1 1 1 5 | 6 3 2 2 2 1 | 2 5 3 3 3 5 |  
空 山 新 雨 后， 天 气 晚 来 秋。 明 月 松 间 照， 清 泉 石 上 流。 竹 喧

6 5 1 2 2 3 | 5 6 1 1 1 5 | 6 3 2 2 2 1 | 2 2 1 1 - | ( 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 |  
归 浣 女， 莲 动 下 渔 舟。 随 意 春 芳 歌， 王 孙 自 可 留。

2 3 2 1 5 1 1 5. 3 1 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 | 5 6 1 2 3 5 2 2 3. 1 6 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 |

2 3 2 1 5 1 1 5. 3 1 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 | 5 6 1 2 3 5 2 2 3. 5 6 | 0 0 ) 0 1 6̣ :||  
红 尘

<sup>1</sup> 2  
2 2 1 1 2 3 | 5 3 1 2 2 3 | 5 6 1 1 5 | 6 3 2 2 2 1 | 2 5 3 3 3 5 |  
自 可 留。 空 山 新 雨 后， 天 气 晚 来 秋。 明 月 松 间 照， 清 泉 石 上 流。 竹 喧

6 5 1 2 2 3 | 5 6 1 1 1 5 | 6 3 2 2 2 1 | 2 2 1 1 - | ( 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 |  
归 浣 女， 莲 动 下 渔 舟。 随 意 春 芳 歌， 王 孙 自 可 留。

2 3 2 1 5 1 1 5. 3 1 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 | 5 6 1 2 3 5 2 2 3. 1 6 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 |

2 3 2 1 5 1 1 5. 3 1 | 6 5 6 5 3 2 0 5. 3 | 5 6 1 2 3 5 2 2 3. 5 6 ) ||